रिज़र्व स्पीक

खाता की गाथा

भारतीय रिज़र्व बैंक वित्तीय साक्षरता श्रृंखला

भारतीय रिज़र्व बैंक, चेन्नई द्वारा प्रकाशित
जून 2007

सर्वाधिकार सुरक्षित । स्त्रोत के उल्लेख के साथ
इस पुस्तिका के अंशों को उद्धृत करने की अनुमति है।

**अधिक सूचना के लिए कृपया हमारा
वेब-साईट www.rbi.org.in
देखें अथवा निम्न पते पर सम्पर्क करें**

भारतीय रिज़र्व बैंक
फोर्ट ग्लेसिस, राजाजी सालै
चेन्नई 600 001
ई-मेल आई.डी rdchennai@rbi.org.in

सृजनकर्ता :
चांदनी मूलचंदानी, अरुण विष्णु कुमार, हरिदास सरोदे, हरिता ठक्कर, जयन्ती एन.,
पी.एस.रवि, सिद्धार्थ प्रकाश, नवास जे., एलेक्जेंडर सी.के., चन्द्रन ए., आर.जी. नायर

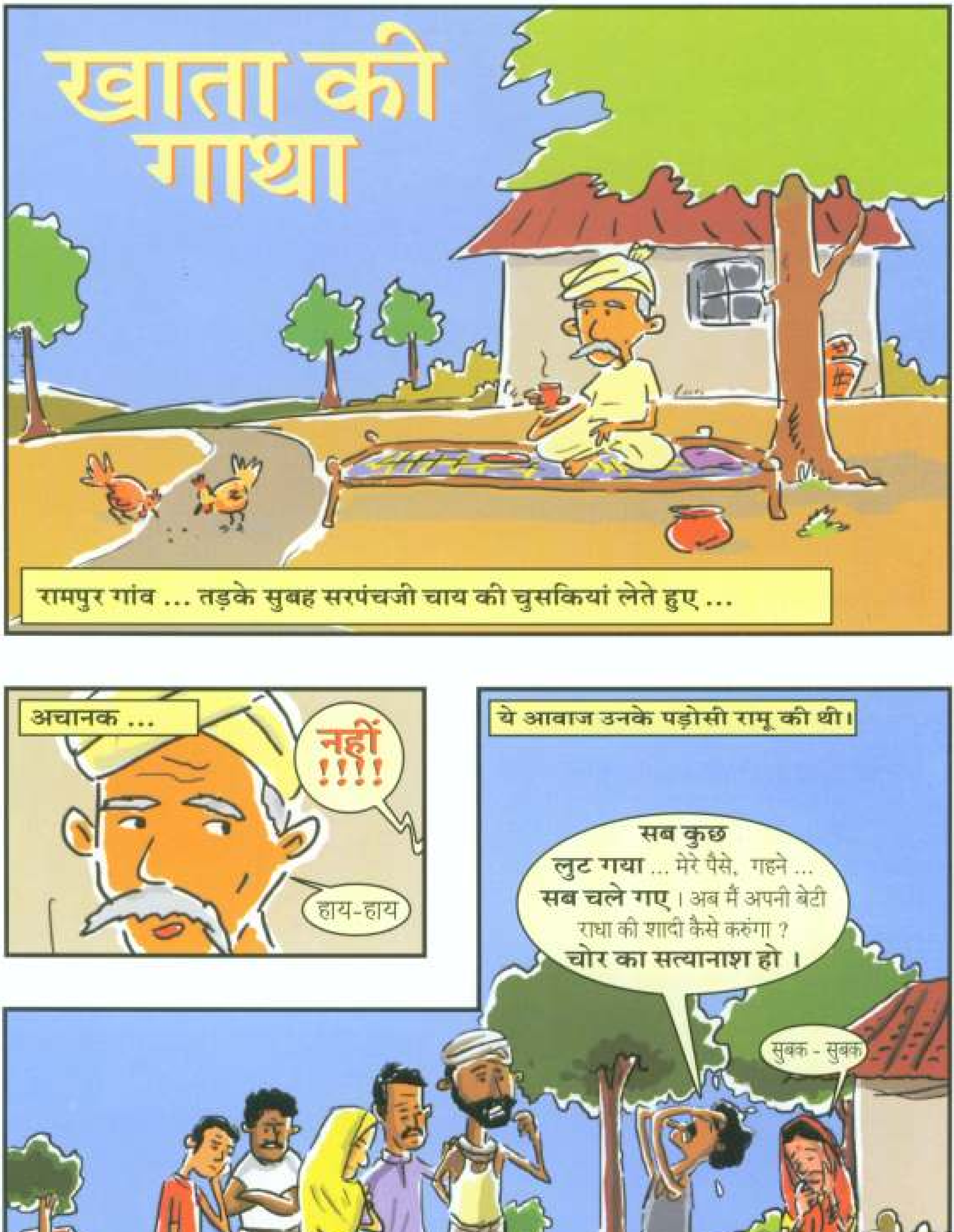
खाता की गाथा
रामपुर गांव ... तड़के सुबह सरपंचजी चाय की चुसकियां लेते हुए ...
अचानक ...
नहीं !!!!
हाय-हाय
ये आवाज उनके पड़ोसी रामू की थी।
सब कुछ लुट गया ... मेरे पैसे, गहने ... सब चले गए। अब मैं अपनी बेटी राधा की शादी कैसे करुंगा ? चोर का सत्यानाश हो ।
सुबक - सुबक

राम्
शांत हो जा । मुझे
बता ..... क्या हुआ ?
बेचारा रामू !
उसकी बेटी की शादी को सिर्फ
दस दिन रह गए हैं ....
चलो थाने में
रपट लिखवाते हैं ।
मुखियाजी! मैं तो
बर्बाद हो गया । मेरी सारी जमापूंजी,
गहने ... राधा की शादी के लिए जो भी
जमा किए थे ..... सब चोरी
हो गए ।

तभी रामू का भाई लक्ष्मण भीड़ को
हटाते हुए सामने आया ।
रामू भैया!
क्या ये वाकई सच है ? ... तुम्हारे
घर चोरी हो गई ?

रामू के आंसू थम नहीं रहे थे ।
ये सच है, मेरे भाई ।
चोर ने **कुछ भी** नहीं छोड़ा ।
मैं तो बर्बाद हो गया ।
हे
भगवान !

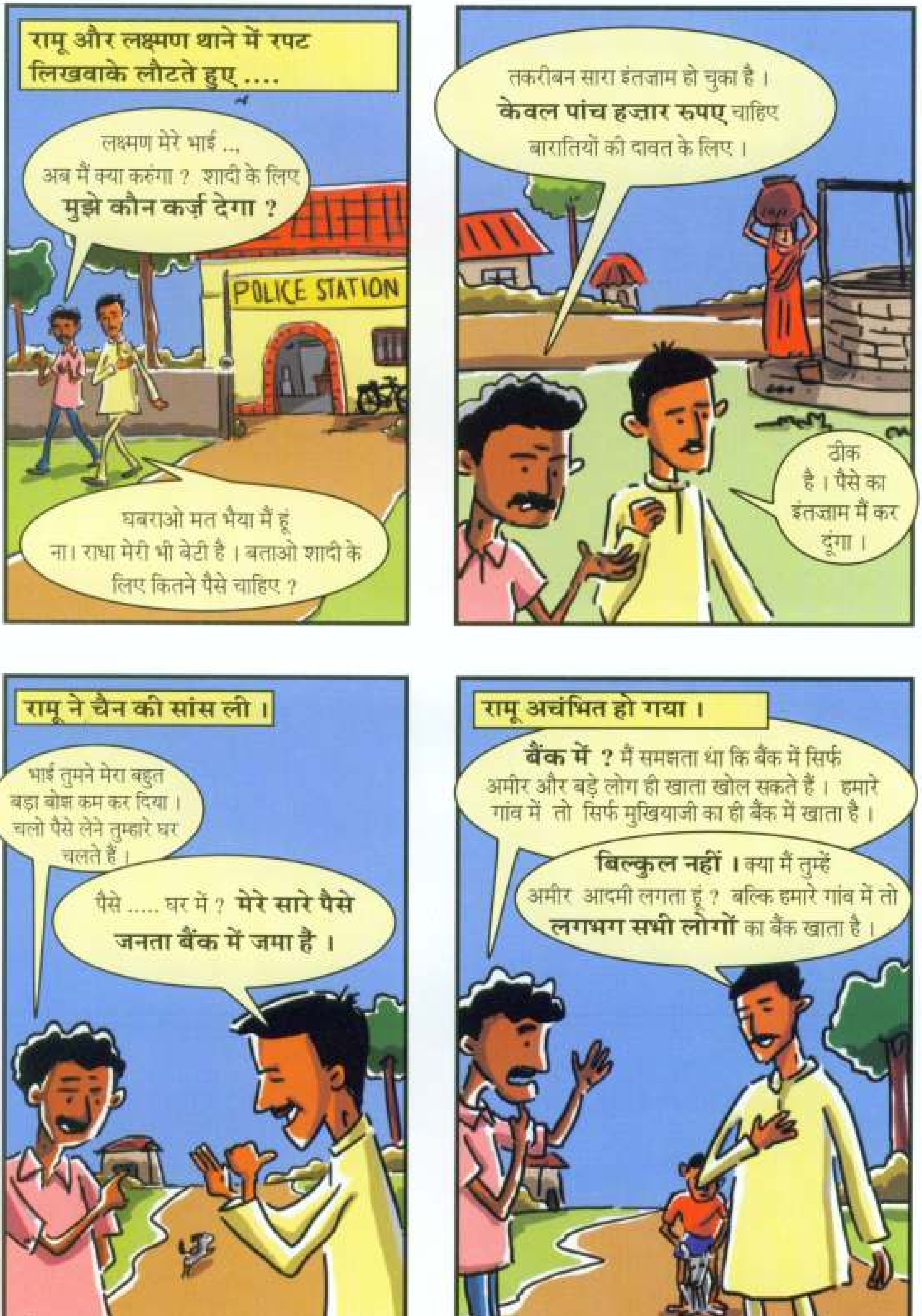
रामू और लक्ष्मण थाने में रपट लिखवाके लौटते हुए ....
लक्ष्मण मेरे भाई ..., अब मैं क्या करुंगा ? शादी के लिए **मुझे कौन कर्ज़ देगा ?**
POLICE STATION
घबराओ मत भैया मैं हूं ना। राधा मेरी भी बेटी है । बताओ शादी के लिए कितने पैसे चाहिए ?
तकरीबन सारा इंतज़ाम हो चुका है । **केवल पांच हज़ार रुपए** चाहिए बारातियों की दावत के लिए ।
ठीक है । पैसे का इंतज़ाम मैं कर दूंगा ।
रामू ने चैन की सांस ली ।
भाई तुमने मेरा बहुत बड़ा बोझ कम कर दिया । चलो पैसे लेने तुम्हारे घर चलते हैं ।
पैसे ..... घर में ? **मेरे सारे पैसे जनता बैंक में जमा है ।**
रामू अचंभित हो गया ।
बैंक में ? मैं समझता था कि बैंक में सिर्फ अमीर और बड़े लोग ही खाता खोल सकते हैं । हमारे गांव में तो सिर्फ मुखियाजी का ही बैंक में खाता है ।
बिल्कुल नहीं । क्या मैं तुम्हें अमीर आदमी लगता हूं ? बल्कि हमारे गांव में तो **लगभग सभी लोगों** का बैंक खाता है ।

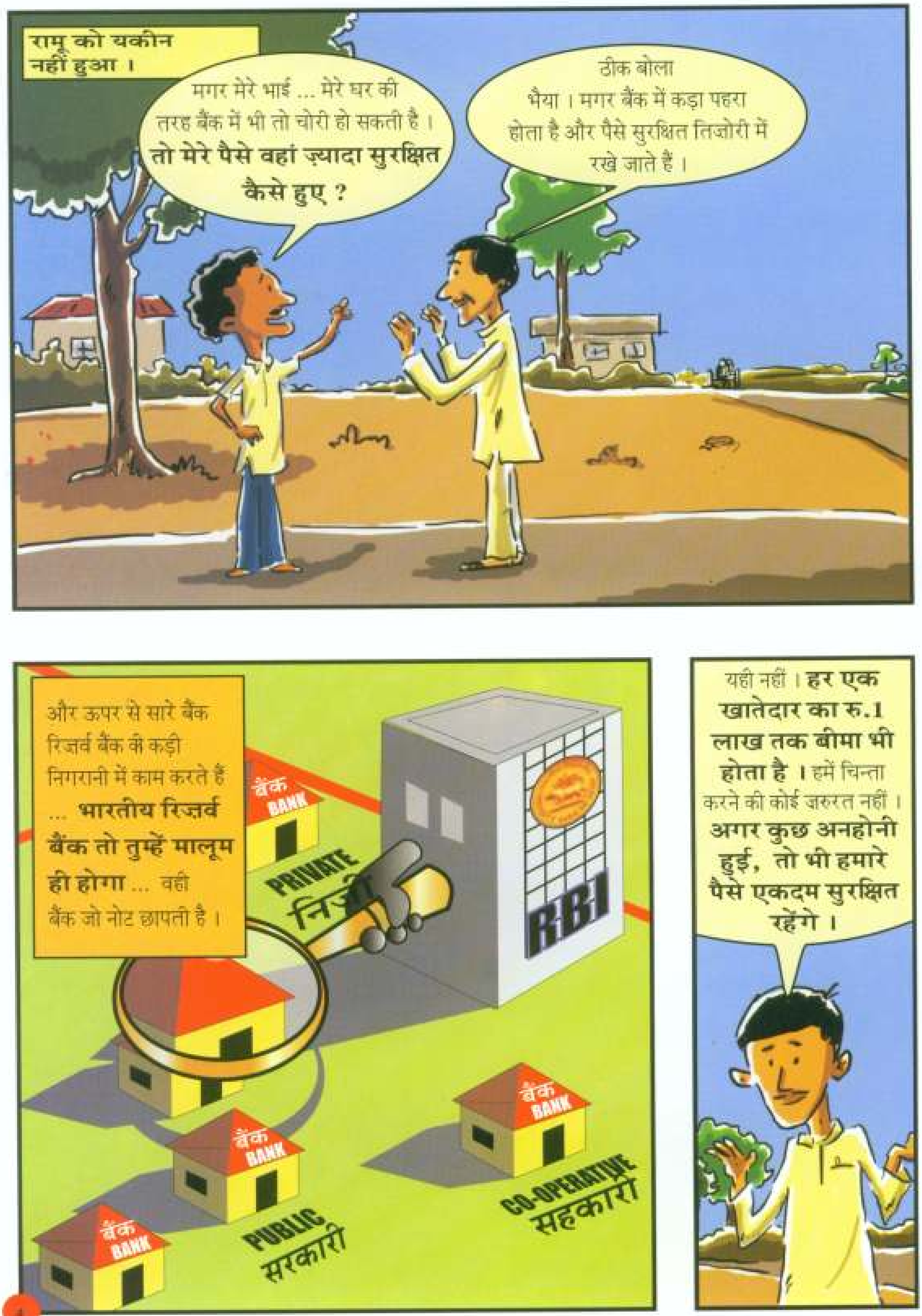
रामू को यकीन नहीं हुआ ।
मगर मेरे भाई ... मेरे घर की तरह बैंक में भी तो चोरी हो सकती है । **तो मेरे पैसे वहां ज़्यादा सुरक्षित कैसे हुए ?**
ठीक बोला भैया । मगर बैंक में कड़ा पहरा होता है और पैसे सुरक्षित तिज़ोरी में रखे जाते हैं ।
और ऊपर से सारे बैंक रिज़र्व बैंक की कड़ी निगरानी में काम करते हैं ... **भारतीय रिज़र्व बैंक तो तुम्हें मालूम ही होगा** ... वही बैंक जो नोट छापती है ।
बैंक BANK
PRIVATE निजी
RBI
बैंक BANK
बैंक BANK
बैंक BANK
PUBLIC सरकारी
CO-OPERATIVE सहकारी
यही नहीं । **हर एक खातेदार का रु.1 लाख तक बीमा भी होता है** । हमें चिन्ता करने की कोई जरुरत नहीं । **अगर कुछ अनहोनी हुई, तो भी हमारे पैसे एकदम सुरक्षित रहेंगे ।**

वाह ! ये तो मुझे मालूम ही नहीं था । तब तो बैंक में वाकई हमारे पैसे बहुत सुरक्षित हैं ।
सिर्फ सुरक्षा ही नहीं ... बल्कि बैंक आपको आपके जमा पैसे के ऊपर ब्याज भी देता है ।

मैं आपको बैंक के बारे में ठीक से समझाता हूं ।
हूं ......

बैंक ऐसे संस्थान हैं जहां जनता पैसे जमा करती है और बैंक इन पैसों को ऋण और निवेश में इस्तेमाल करता है ।
बैंक
जमा
ऋण
बैंक में जमा पैसों पर आपको ब्याज मिलता है।
जब आप बैंक से उधार लेते हैं तो आपको उसपर ब्याज देना पड़ता है ।

बटवारे के बाद हम दोनों को दस-दस हजार रुपए मिले थे। बैंक में इस रकम को डालकर हम कितना कमा सकते हैं, **यह जानकर आपको ताज्जुब होगा ।**

आपने जो पैसे घर पर रखे वो चोरी हो गए । जबकि मेरे पैसे बैंक में सुरक्षित थे और उसपर मुझे ब्याज भी मिला । यानि आम के आम गुठलियों के दाम ।
मूल
ब्याज
घर में पैसे
बैंक में पैसे

रामू आश्चर्यचकित हो गया ।
ये तो तुमने लाख टके की बात कही । पैसे बढ़ाओ बिना जोखिम के ... काश मुझे ये पहले मालूम होता ।
केवल इतना ही नहीं । आप बैंक से उधार भी ले सकते हैं ।

मगर बैंक से क्यों ? अपना साहूकार तो है ही, जिससे पिताजी ने भी उधार लिया था ।
यहीं तो पिताजी ने भूल कर दी । साहूकार का ब्याज इतना कड़ा है ... इसका उन्हें एहसास न था ।

हालांकि साहूकार ने पांच टके का ब्याज दर लगाया था । मगर ये ब्याज प्रति माह के लिए था, जो कि सालाना 60 प्रतिशत आता है । सिर्फ इतना ही नहीं, समय पर ब्याज न देने से साहूकार ब्याज पे ब्याज चढ़ाता है । जितने लंबे समय का उधार, उतना ही ज्यादा साहूकार का मुनाफा । अब आप अंदाजा लगा सकते हैं कि पिताजी को पांच साल के उधार के लिए कितने पैसे देने पड़े !
कर्ज देने के लिए धन्यवाद
मैं तुम्हारे मदद के लिए ही हूं जब भी उधार चाहिए हो तो आ जाना ।
यह पैसे अगर उन्होंने बैंक से उधार लिए होते तो ब्याज दर सिर्फ 10-15 टका सालाना पड़ता ।

पिताजी इतना कड़ा ब्याज चुका नहीं पाए और साहूकार ने इस तरह रु.10000 के उधार के एवज़ में हमारी **दो लाख की ज़मीन** हड़प कर ली ।
हे भगवान ! यह साहूकार कितना बड़ा धूर्त था ।

अब आप की समझ का ताला खुला !! यही बहुत है । आगे जब भी उधार की सोचें, तो सिर्फ बैंक से । खैर, चलिए हमें बैंक बन्द होने से पहले वहां पहुंचना भी है ।

दोनों भाई बैंक की ओर बढ़ते हुए ....
अरे ! यहां ये क्या बन रहा है ?
भाई, आपको याद होगा अपने गांव का नौजवान व्यवसायी उदय । ये **कोल्ड स्टोरेज** वही बनवा रहा है और इस काम के लिए उसने बैंक से **उधार** लिया है । भगवान करे ये जल्दी से बन जाए ... ।
COLD

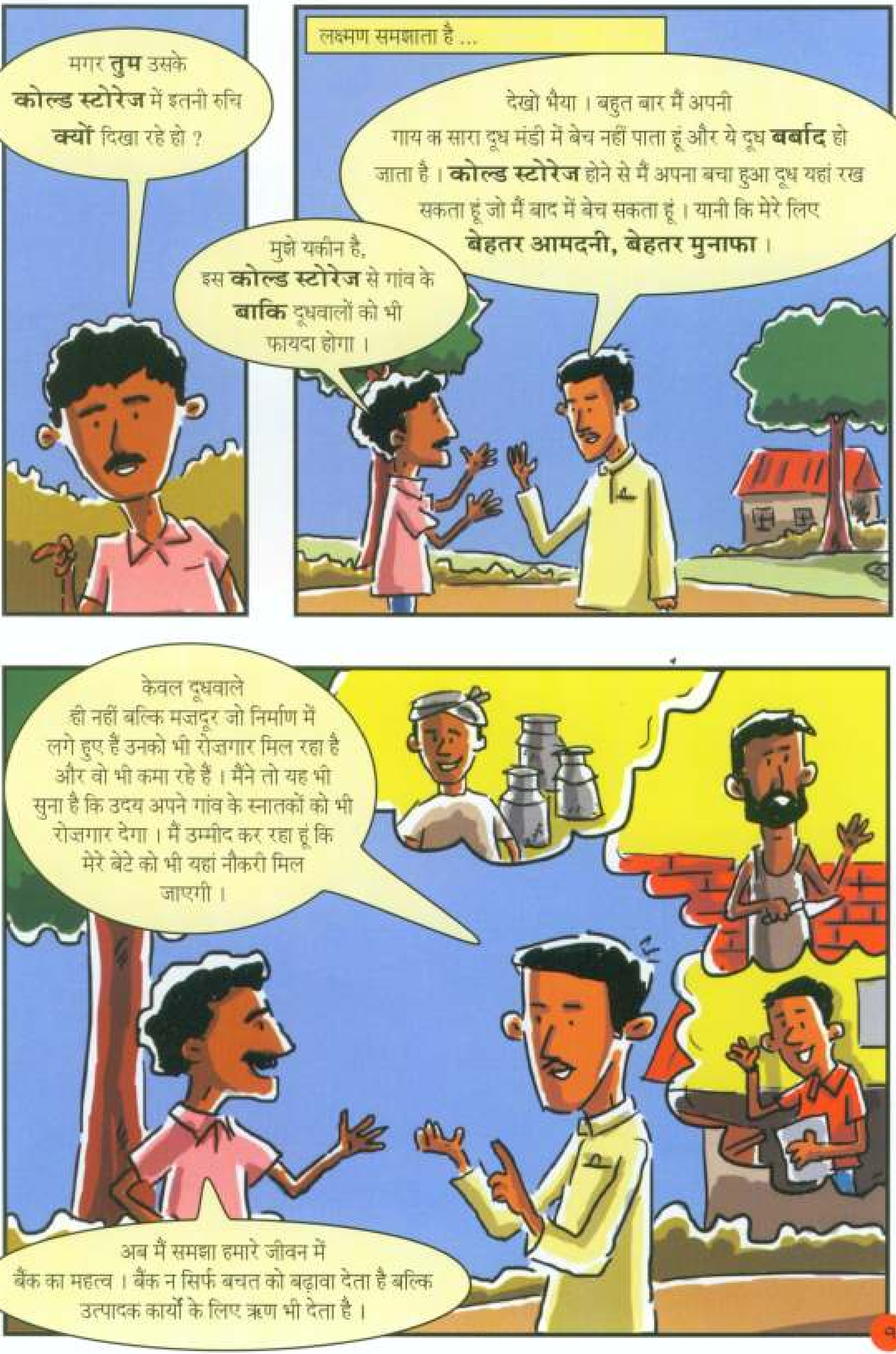
मगर **तुम** उसके **कोल्ड स्टोरेज** में इतनी रुचि **क्यों** दिखा रहे हो ?
लक्ष्मण समझाता है ...
देखो भैया । बहुत बार मैं अपनी गाय क सारा दूध मंडी में बेच नहीं पाता हूं और ये दूध **बर्बाद** हो जाता है । **कोल्ड स्टोरेज** होने से मैं अपना बचा हुआ दूध यहां रख सकता हूं जो मैं बाद में बेच सकता हूं । यानी कि मेरे लिए **बेहतर आमदनी, बेहतर मुनाफा** ।
मुझे यकीन है, इस **कोल्ड स्टोरेज** से गांव के **बाकि** दूधवालों को भी फायदा होगा ।
केवल दूधवाले ही नहीं बल्कि मजदूर जो निर्माण में लगे हुए हैं उनको भी रोजगार मिल रहा है और वो भी कमा रहे हैं । मैंने तो यह भी सुना है कि उदय अपने गांव के स्नातकों को भी रोजगार देगा । मैं उम्मीद कर रहा हूं कि मेरे बेटे को भी यहां नौकरी मिल जाएगी ।
अब मैं समझा हमारे जीवन में बैंक का महत्व । बैंक न सिर्फ बचत को बढ़ावा देता है बल्कि उत्पादक कार्यों के लिए ऋण भी देता है ।

ऋण उधार
उत्पादक कार्य
बेहतर आमदनी
ज़्यादा बचत
जमा
बैंक

मगर मुझे एक बात समझ में नहीं आई । अगर बैंक अपने सारे पैसे उधार में ही दे देता है तो मांगे जाने पर जमाकर्ताओं को पैसे वापिस कैसे कर सकता है ?
सही सवाल किए हो भैया । मगर घबराने की कोई जरुरत नहीं है क्योंकि रिज़र्व बैंक यह सुनिश्चित करता है कि बैंक, अपनी जमाराशि का एक हिस्सा हमेशा अपने पास रखे ।

दोनों भाई बैंक पहुंचे ।
चलो काऊंटर पे जाकर अपना **चेक** भंजवा लेते हैं ।
CASH
CASH
LOANS
SAVE!
लक्ष्मण मैंने आज तक चेक को नज़दीक से नहीं देखा है । क्या मैं इसे देख सकता हूं ?
चेक भुगतान का एक आदेश है
तारीख
प्राप्तकर्ता
राशि (शब्दों में)
राशि (संख्या में)
Date: 02/07/07
Pay लक्ष्मण or bearer
Rs. पांच हजार केवल 5000/-
A/c No.007007
JANATA BANK
My Village.
Laxman
123456 123456789 123456
हस्ताक्षर

लक्ष्मण ने काउंटर पर चेक देकर नकद पैसे निकाले ।
लक्ष्मण, अब बात समझ में आयी, यह सब कितना आसान है और **सुरक्षित भी** । मैने बैंक खाता नहीं होने की भारी कीमत चुकाई है । क्या मैं अभी बैंक में अपना खाता खुलवा सकता हूँ ।
हाँ **क्यो नहीं** चलो अभी मैनेजर साहब के पास चलते हैं !

क्या मैं अंदर आ सकता हूँ ?
हाँ हाँ अंदर आओ... और लक्ष्मण कैसे हो ... काफी दिन के बाद आना हुआ । सब-कुछ ठीक है न ।
MANAGER

प्रबन्धक के कक्ष के अन्दर
मैनेजर साहब, नमस्कार, सब बढ़िया है । बात यह थी की, मेरे बड़े भाई रामू बैंक में अपना खाता खुलवाना चहते है ।
OPEN YOUR ACCOUNT TODAY!
JANATA BANK
START SAVING TODAY
अच्छा ये बात है, ठीक है बैठ जाओ पहले मैं तुम्हें यह समझाता हूँ कि तुम कितनी तरह के खाते खोल सकते हो ।

देखो रामू - खाते तीन तरह के होते है, **बचत, चालू** और **मियादी**।
MANAGER

नकद
बचत
देखो रामू **बचत खाते में** तुम्हें हर समय एक कम से कम राशि अपने खाते में रखनी होगी जितना भी पैसा उससे ऊपर खाते में होगा तुम उसको अपनी जरुरत के अनुसार कभी भी निकाल सकते हो । इतना ही नहीं इस खाते में **जमा पैसे पर** तुम्हें **साढ़े तीन टका** सालाना ब्याज भी मिलेगा ।
चालू खाते मे तुम कभी भी पैसा **जमा** कर सकते हो और निकाल सकते हो । इस खाते मे **जमा पैसे पर कोई ब्याज नहीं मिलता** है । यह खाता मुख्यतः **व्यापारियों** और पैसों का ज्यादा लेन-देन करने वालों के लिए होता है ।
मियादी जमा खाता दो प्रकार का होता है - **आवर्ती जमा** और **सावधि जमा** है
जून
जनवरी
फरवरी
अप्रैल
मार्च
ब्याज
पहला **आवर्ती जमा** खाता जिसमें तुम्हें हर महीने एक निश्चित राशि जमा करनी होगी और समय पुरा होने पर तुम अपनी कुल जमा राशि ब्याज के साथ निकाल सकते हो ।
दूसरा **सावधि जमा** खाता जिसमें तुम अपना पैसा एक निश्चित समय के लिए जमा कर सकते हो और अवधि पूरी होने पर पहले से तय **ब्याज** के साथ निकाल सकते हो । इसमें तुम जितने ज्यादा समय के लिए पैसा रखोगे उतना ही ज्यादा ब्याज मिलेगा ।
START
निकासी वर्जित

मैनेजर साहब, मैं चाहता हूँ कि मैं अपने **खाते में बराबर पैसे जमा करा सँकू** और **जब जरूरत पडे उसको निकाल सकूँ** । मेरे लिए कौन सा खाता बढ़िया होगा ?
इस स्थिति में, तुम्हारे लिए **सबसे अच्छा बचत खाता** होगा। इसके लिए तुमको कम से कम पाँच सौ रुपये हमेशा अपने खाते में रखने होंगे।

रामू मायूस हो गया ।
देखिए मैनेजर साहब, मेरे पास इस समय **इतने पैसे नहीं** है। आज ही सुबह मेरे घर में **चोरी भी** हो गयी है। इसके अलावा, मैं मुश्किल से महीने में बारह सौ रूपये ही कमा पाता हूँ।

देखो रामू, इसमें परेशान होने की कोई बात नहीं, हमारे पास इसका भी उपाय है - तुम कम से **कम 10 रूपये** में भी अपना खाता खोल सकते हो और उसमें तुम **सामान्य बचत खाते** के सारे फायदे भी उठा सकते हो। इसको नो-फ्रिल्स **(No frill)** खाता कहते हैं।
क्या कह रहे हैं सर, वाकई मैं अभी भी अपना खाता खोल सकता हूँ, इसके लिए मुझको क्या करना होगा?
OPEN YOUR ACCOUNT TODAY!
JANATA BANK
सामान्य बचत खाता को आम तौर पर नो फ्रिल्स खाता कहते हैं

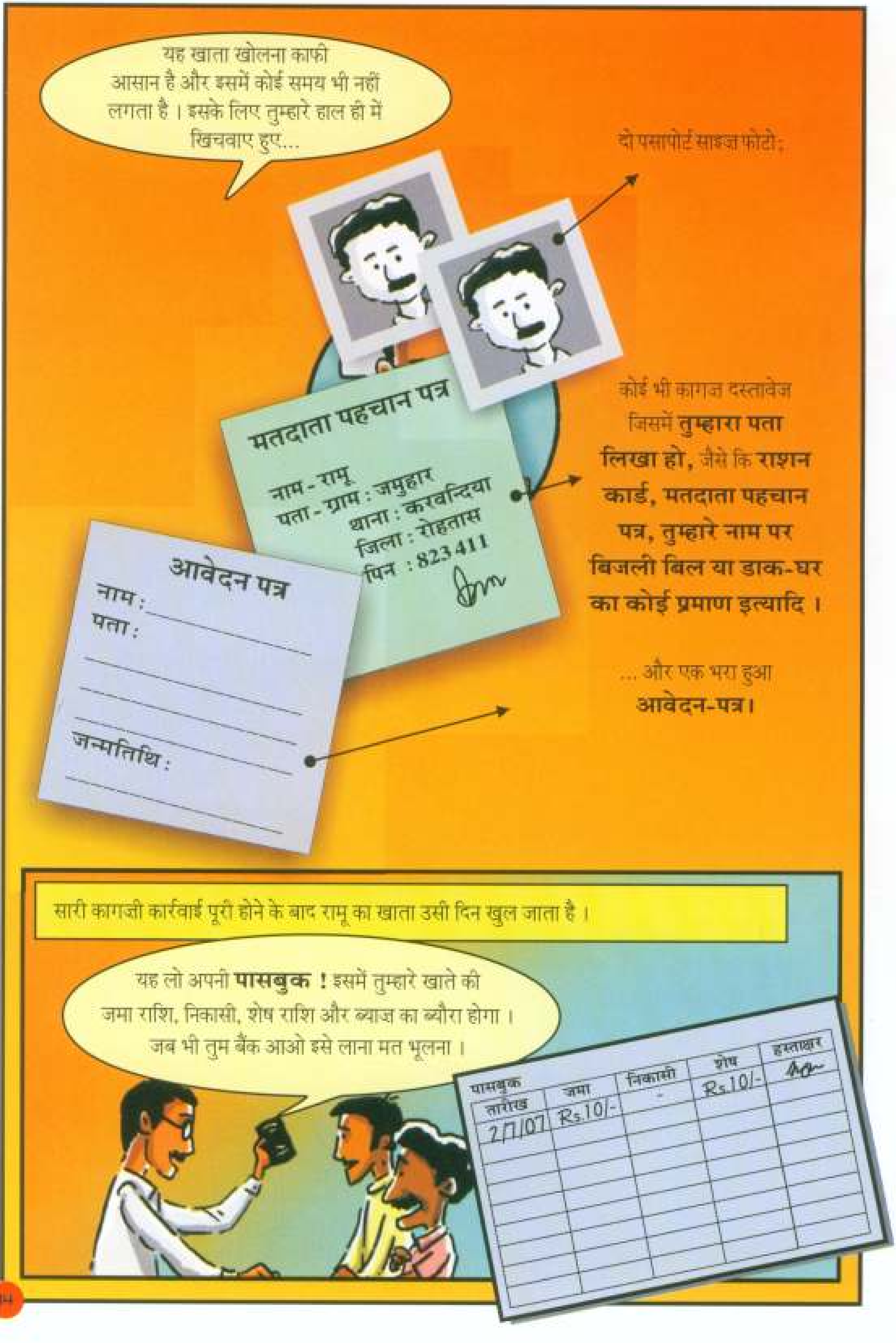
यह खाता खोलना काफी आसान है और इसमें कोई समय भी नहीं लगता है । इसके लिए तुम्हारे हाल ही में खिचवाए हुए...
दो पसापोर्ट साइज फोटो;
मतदाता पहचान पत्र
नाम - रामू
पता - ग्राम : जमुहार
थाना : करबन्दिया
जिला : रोहतास
पिन : 823411
कोई भी कागज दस्तावेज जिसमें **तुम्हारा पता लिखा हो,** जैसे कि **राशन कार्ड, मतदाता पहचान पत्र, तुम्हारे नाम पर बिजली बिल या डाक-घर का कोई प्रमाण इत्यादि ।**
आवेदन पत्र
नाम :
पता :
जन्मतिथि :
... और एक भरा हुआ **आवेदन-पत्र।**
सारी कागजी कार्रवाई पूरी होने के बाद रामू का खाता उसी दिन खुल जाता है ।
यह लो अपनी **पासबुक !** इसमें तुम्हारे खाते की जमा राशि, निकासी, शेष राशि और ब्याज का ब्यौरा होगा । जब भी तुम बैंक आओ इसे लाना मत भूलना ।
पासबुक
तारीख
जमा
निकासी
शेष
हस्ताक्षर
2/7/07
Rs.10/-
-
Rs.10/-

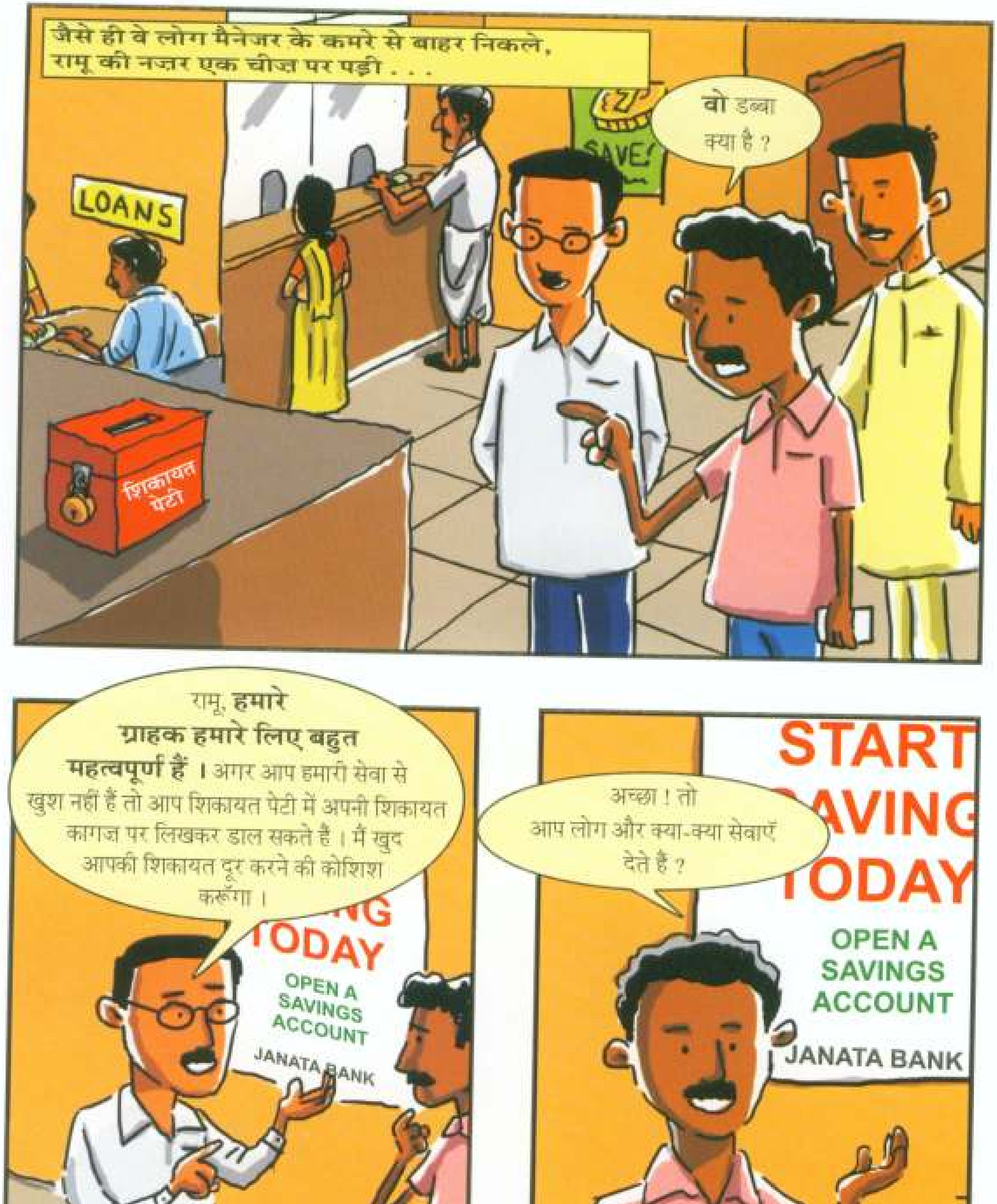

जैसे ही वे लोग मैनेजर के कमरे से बाहर निकले, रामू की नज़र एक चीज़ पर पड़ी . . .
LOANS
SAVE!
वो डब्बा क्या है ?
शिकायत पेटी
रामू, **हमारे ग्राहक हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं** । अगर आप हमारी सेवा से खुश नहीं हैं तो आप शिकायत पेटी में अपनी शिकायत कागज पर लिखकर डाल सकते है । मैं खुद आपकी शिकायत दूर करने की कोशिश करूँगा ।
OPEN A SAVINGS ACCOUNT
JANATA BANK
अच्छा ! तो आप लोग और क्या-क्या सेवाएँ देते हैं ?
START
OPEN A SAVINGS ACCOUNT
JANATA BANK

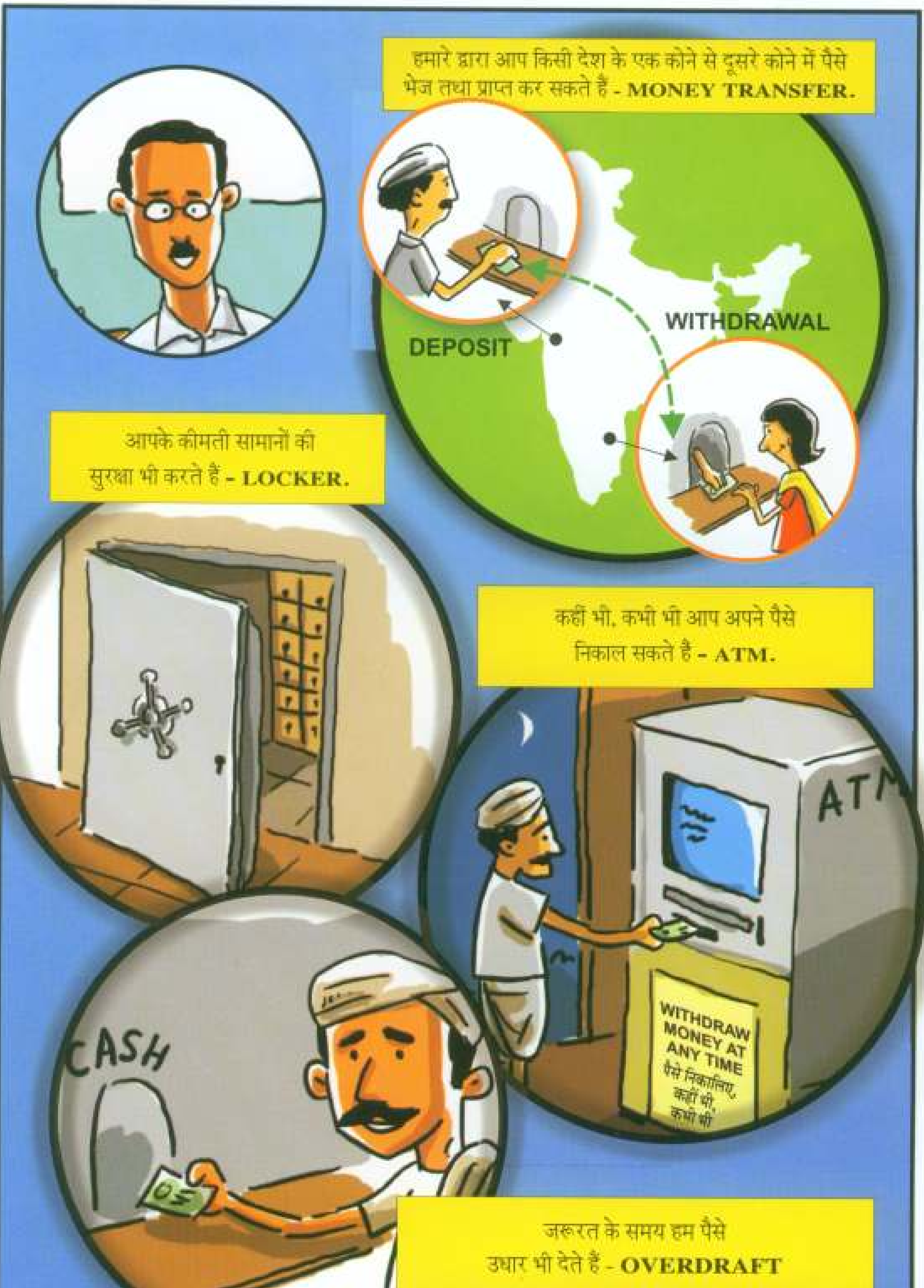

हमारे द्वारा आप किसी देश के एक कोने से दूसरे कोने में पैसे भेज तथा प्राप्त कर सकते हैं - MONEY TRANSFER.
DEPOSIT
WITHDRAWAL
आपके कीमती सामानों की सुरक्षा भी करते हैं - LOCKER.
कहीं भी, कभी भी आप अपने पैसे निकाल सकते हैं - ATM.
ATM
WITHDRAW MONEY AT ANY TIME
पैसे निकालिए, कहीं भी, कभी भी
CASH
जरूरत के समय हम पैसे उधार भी देते हैं - OVERDRAFT

अब रामू और लक्ष्मण के जाने का समय हो चला...
सर, बहुत धन्यवाद । अब मुझे पता चला कि बैंक खाता खोलने के कितने फायदे हैं । काश, मैंने खाता पहले खुलवाया होता । आज मुझे पता चला की मेरी सोच के विपरीत ये कितना आसान है ...
अरे, धनयवाद की आवश्यकता नही है-ये तो मेरा कार्य है । पर जिस तरह लक्ष्मण ने आप को इसके बारे में बताया है आप भी अपने गांव के सभी लोंगों को बताओ की वे भी बैंक खाता खोलें । इस तरह वे लोग पैसे की बचत कर सकते और कमा भी सकते हैं ।
STAR SAVIN TODA
OPEN A SAVINGS ACCOUNT
JANATA BAN

चाहे **आप** कोई भी हों **और** कुछ भी करते हों बैंक बचत खाता
आपको **अपने** सपने साकार करने में मदद करता है...

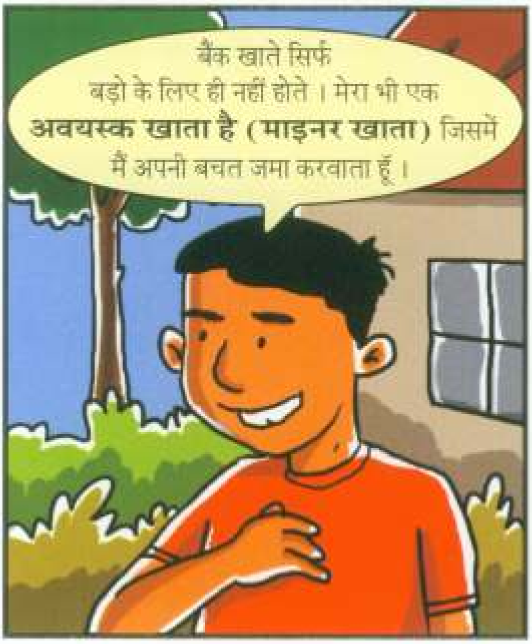

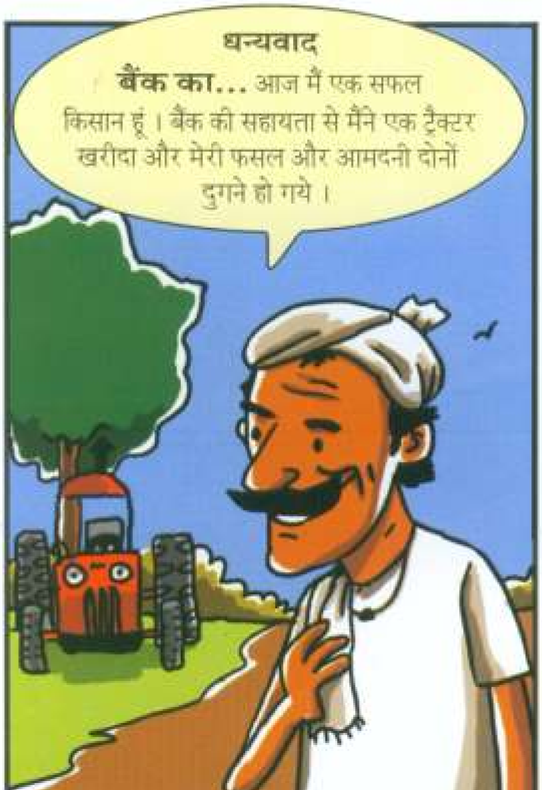

मेरा बचपन से यही सपना था कि मेरा अपना बिजनेस / व्यवसाय हो । मेरा ये सपना बैंक खाता खोलने के बाद ही पूरा हो पाया । **बैंक ने मुझे उधार दिया** और आज मेरा खुद का बिजनेस है । **मेरे जीवन की दिशा बदल गयी है ।**

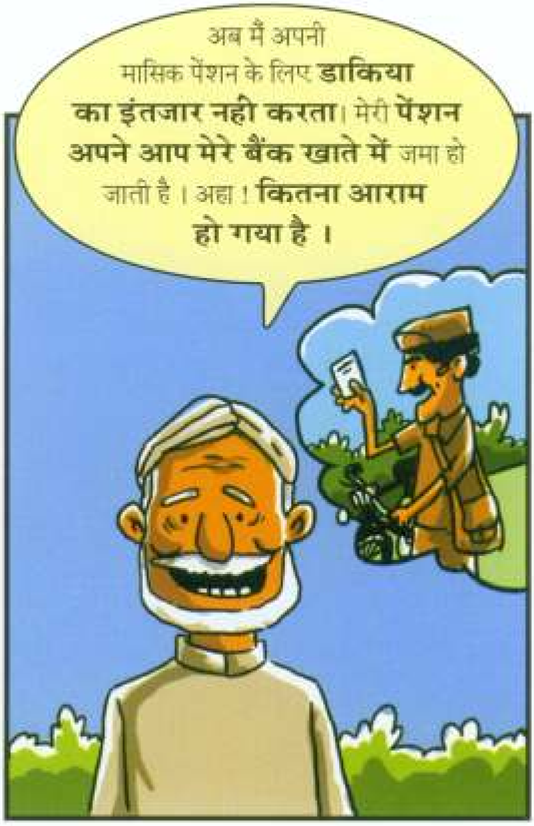
अब मैं अपनी मासिक पेंशन के लिए **डाकिया का इंतजार नही करता।** मेरी **पेंशन अपने आप मेरे बैंक खाते में** जमा हो जाती है । अहा ! **कितना आराम हो गया है ।**

आर्थिक समृद्धि और खुशहाली
LOANS
DEPOSITS
SAVINGS
एक बचत बैंक खाता आर्थिक सुरक्षा और अच्छे जीवन की ओर पहला कदम है !
पासबुक
बचत खाता
जनता बैंक

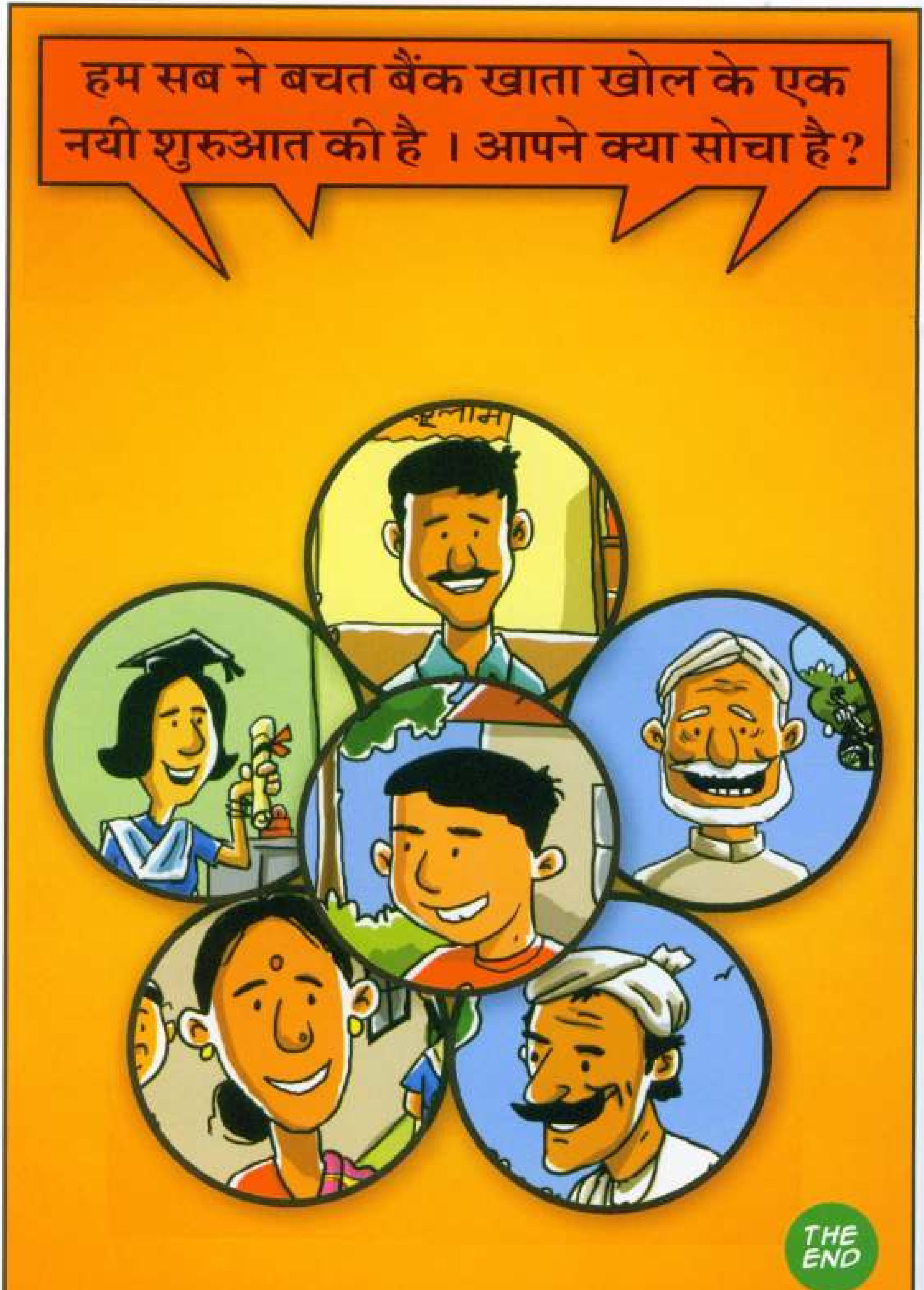
हम सब ने बचत बैंक खाता खोल के एक नयी शुरुआत की है । आपने क्या सोचा है?
THE END

आपकी सुविधा के लिए

विभिन्न बैंकों द्वारा दी जाने वाली मूल बचत खाता कि सुविधा को
आम तौर पर '**नो फ्रिल्स बचत खाता**' कहा जाता है ।

यह सुविधा अलग-अलग बैंक, अलग-अलग नाम से देते है, जैसे कैन सरल, आज़ादी, कार्प-प्रगती, सुगम (Cansaral, Azadi, Corp- Pragati, Sugam,) इत्यादि ।

•

इस तरह के बचत खाते के लिए न्यूनतम जमा राशि 0 से 100 रुपये तक होती है ।

•

खाता खोलने के समय आप बैंक अधिकारियों से विस्तार में जानकारी ले सकते हैं ।

• • •

बैंक में नामांकन सुविधा (Nomination facility) का भी प्रावधान है ।
आप इस सुविधा का फायदा उठा सकते हैं ।

• • •

अगर कोई भी ग्राहक बैंक कि सेवा से संतुष्ट नहीं है तो वो इस संदर्भ में शाखा प्रबंधक (BRANCH MANAGER) से मिल सकता है या फिर वो बैंक के क्षेत्रिय कार्यालय या अपने प्रदेश के बैंकिंग लोकपाल (BANKING OMBUDSMAN) को लिख सकता है

• • •

बैंकिंग लोकपाल का मुख्य कार्य, बैंक और उसके ग्राहको के बीच उठे विवादों का निपटारा करवाना होता है । हर प्रदेश के लिए एक बैंकिंग लोकपाल होता है ।

• • •

बैंक अपने ग्राहकों को ए.टी.एम सुविधा भी देता है, जिसके द्वारा आप कभी भी बिना बैंक शाखा गए हुए, पैसे जमा और निकाल सकते हैं ।

• • •

बैंक अपने ग्राहकों को और भी बहुत सारी सुविधाएँ मुहैया करवाती है,
जैसे-किसान क्रेडिट कार्ड (KCC), जनरल क्रेडिट कार्ड (GCC),
बीमा सुविधा (INSURANCE FACILITY) वगैरह ।
इन सुविधाओं के लिए आप बैंक से मार्गदर्शन और मदद ले सकते है ।

अधिक जानकारी के लिए आप हमारे वेबसाई www.rbi.org.in पर लॉग कर सकते हैं

भारतीय रिज़र्व बैंक, देश का केंद्रीय बैंक होने के कारण, जनता की ओर कुछ विशिष्ट तथा चुनौतीपूर्ण उत्तरदायित्वों का निर्वाह करता है । भारतीय रिज़र्व बैंक एक सार्वजनिक संस्था है जो जनहित में कार्यरत है । बैंक ने हाल ही में सामान्य जन के लिये एक वित्तीय शिक्षा का अभियान प्रारम्भ किया है ताकि उन्हें यह ज्ञात हो कि वह बैंक सेवाओं के बारे में क्या आशा करें, उनके पास क्या विकल्प हैं, तथा उनके क्या अधिकार तथा दायित्व हैं ।

सभी तक पहुंचने की इस भावना के साथ, **रिज़र्व बैंक 'रिज़र्व स्पीक'** के नाम से, ऐसी चित्र-युक्त पुस्तकों की एक श्रृंखला जारी करने का प्रयास कर रही है, जिससे एक साधारण आदमी का रिज़र्व बैंक के कार्यों में तथा वित्तीय विषयों के बारे में ज्ञान बढे ।

उपरोक्त श्रृंखला का एक भाग, यह पुस्तिका 'खाता की गाथा' का लक्ष्य आम लोगों को बैंक तथा **बैंक खातों** की जरुरत और फायदों के बारे में जागरुक करना है । हमारी इस पहल का मुख्य उद्देश्य आर्थिक रुप से अलग-थलग पडे लोगों को बैंक प्रणाली तथा आर्थिक व्यवस्था का एक हिस्सा बनाना है ।

इस श्रृंखला में अन्य पुस्तिकएँ हैं:

बात टके की